

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अपर निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड गोपेश्वर, चमोली।



पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक अप्रैल, 2008

विषय :- अनुदान संख्या-28 लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनेत्तर योजनाओं में वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु आकस्मिक मदों में वित्तीय स्वीकृति जारी किया जाना।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-28/लेखा-2/बजट/2008-09 दिनांक 2 अप्रैल, 2008 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय आयोजनेत्तर पक्ष के अर्न्तगत चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में आकस्मिक मदों के अर्न्तगत रुपया 6411 हजार (रुपया चौंसठ लाख ग्यारह हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन पर निम्न विवरणानुसार प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

(धनराशि हजार रुपये में)

योजना/मद का नाम	धनराशि	योजना/मद का नाम	धनराशि
2403-पशुपालन आयोजनेत्तर-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-निदेशालय		2403-पशुपालन आयोजनेत्तर-00-106-अन्य पशुधन विकास-03-राज्य पशुधन एवं कृषि सम्बन्धी प्रक्षेत्र	
05-स्थानान्तरण यात्रा भत्ता	500	05-स्थानान्तरण यात्रा भत्ता	20
07-मानदेय	50	11-लेखन सामग्री	66
11-लेखन सामग्री	800	12-कार्यालय फर्नीचर	20
12-कार्यालय फर्नीचर	1000	26-मशीन साज सज्जा/उपकरण	210
19-विज्ञापन बिक्री और विख्यापन व्यय	130	29-अनुरक्षण	100
21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन	240	42-अन्य व्यय	70
26-मशीन साज सज्जा/उपकरण	500	46-कम्प्यूटर हार्ड/साफ्टवेयर क्रय	100
29-अनुरक्षण	1300	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/स्टेशनरी	20
42-अन्य व्यय	475		
44-प्रशिक्षण व्यय	100		
45-अवकाश यात्रा सुविधा	60		
46-कम्प्यूटर हार्ड/साफ्टवेयर क्रय	300		
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/स्टेशनरी	350		
योग - निदेशालय	5805	योग - राज्य पशुधन	606

महायोग (5805 + 606) = 6411 हजार (रुपया चौंसठ लाख ग्यारह हजार मात्र)

- (1) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये।
- (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (3) उक्त धनराशि की आहरण वितरण अधिकारीवार फॉट कर तत्काल धनराशि उनके निवर्तन में प्रादिष्ट करते हुए उसकी एक प्रति शासन को भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
- (4) इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।

2- उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-28 के अर्न्तगत आयोजनेत्तर पक्ष के लेखाशीर्षक-2403-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-निदेशालय तथा 2403-00-106-अन्य पशुधन विकास-03-राज्य पशुधन एवं कृषि सम्बन्धी प्रक्षेत्र की सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अर्द्धशासकीय पत्र संख्या 15(NP)/XXVII-4/2008 दिनांक 24 अप्रैल, 2008 के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमरेंद्र सिन्हा)
सचिव।

संख्या-198(1)/XV-I तददिनांक

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. प्रमुख सचिव, वित्त को उनके पत्र संख्या-267(1)/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4।
7. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
8. निदेशक, NIC को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने हेतु।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(जी0बी0 ओली)
संयुक्त सचिव।